ग्रहों का खेल

यह राशिफल गोचर के अनुसार दिया जा रहा है अर्थात् हर राशि पर भ्रमणशील ग्रहों का क्या प्रभाव होगा, इसके बारे में विवेचन कर आपको आने वाले समय के बारे में सावधान किया जा रहा है जिससे आप जागरुक रहें। यदि समय खराब आ रहा है तो सावधान रहे एवं अनुकूल समय आ रहा हो तो अधिक परिश्रम कर उस समय का लाभ उठायें।

हमारा ध्येय यही है कि आप इस विज्ञान का उपयोग कर दूसरों से रहे हमेशा दो कदम आगे और आगे...हमेशा।

मेष

नामाक्षर : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

अनुकूल दिवस– 1,2,3,4,5,6,11,12,13, 14,15,19,20, 21,22,23,24

प्रतिकूल दिवस- 7,8,9,15,16,17,24,25,26

राशि अनुसार दशा– **इस समय आप 27 अक्टूबर से 24 दिसम्बर तक 58 दिन की गुरु की दशा भोग रहे हैं जो कि धनहानिकारक समय है।**

आप कड़ी मेहनत करेंगे और इसी अनुपात में आपको पुरूस्कार भी मिलेंगे। सभी किस्म के लाभ प्राप्त करने के जबरदस्त अवसर होंगे। संयुक्त वित्त उत्तराधिकार और पैतृक अधिकार, नई सहभागितायें उभर कर आयेगी जो पारिवारिक जीवन में खुशियां और घर में ऐशो आराम और सुख के पलों में बढ़ोतरी करेगी। अधिक से अधिक लोगों का भला करना आपका लक्ष्य होगा। आप महसूस करेंगे कि पारिवारिक मूल्यों व मान्यताओं का जीवन में सर्वोच्च स्थान होता है। आपको स्वयं को एकांतवास की इच्छा, शांत और निर्जन स्थानों पर जाने की चाहत एवं भीड़ में भी अकेले होने की चाहत से उबारना होगा। नये स्थानों की यात्रा से आपको सुख मिलेगा।

वृषभ

नामाक्षर : ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

अनुकूल दिवस–2,3,4,7,8,9,13,14,15,16,17,21,22, 23,24,25,26

प्रतिकूल दिवस–1,9,10,11,17,18,19,26,27,28,29

राशि अनुसार दशा– इस समय आप 22 अक्टूबर से 26 नवम्बर तक 36 दिन की शनि की दशा भोग रहे हैं जो पीड़ाकारक समय है। आप अपने दोस्तों व सहकर्मियों के बीच काम व पैसों को लेकर चर्चा के केन्द्र में रहेंगे यह सफलता के सुनिश्चित संकेत हैं। आप दूसरों के हितों की अवमानना, भावनात्मक अतिरेक एवं किसी खास किस्म की मानसिक थकान से बचें। आखिरकार आपके प्रयासों, उद्यमों और आपकी ऊर्जस्विता के फल अब आपको नजर आने लगेंगे। सत्ता, पद उन्नति, भत्ते, हैसियत व बिना परिश्रम के प्राप्त धन का लाभ भी मिलेगा। लम्बित मामलों का सकारात्मक हल निकलेगा। नयी परियोजनाओं की नींव पड़ेगी। आप अपने मामलों को अव्यवस्थित करने वाले बदलावों से किनारा कर लें, साथ ही दूसरों के हितों के लिये लिये गये बोझ को उतारने की कोशिश करें और ज्यादा आसान विकल्पों पर मेहनत करें व इन्तजार करें कि इसके आपको सुखद परिणाम प्राप्त हो।

मिथुन

नामाक्षर : का, की, कू, घ, ड़, छ, के, को, हा

अनुकूल दिवस– 1,4,5,6,9,10,11,15,16,17, 18,19,24,25, 26,27,28,29

प्रतिकूल दिवस– 2,3,4,11,12,13,19,20,21, 29,30

राशि के अनुसार दशा– **इस समय आप 25 सितम्बर से 20 नवम्बर तक 56 दिन की बुध की दशा भोग रहे हैं जो कि सुखकारक समय है। इसके पश्चात् 20 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक 36 दिन की शनि की दशा रहेगी जो कि पीड़ाकारक समय होगा।**

इस समय आप रोजमर्रा की मेहनत वाले नीरस कार्य, कामकाज, घरेलू प्रतिबद्धताओं से ऊब गये हैं। आप शुरु से आखिर तक अपने ऑफिस, कार्य स्थल व घर में बदलाव करने को दृढ़ संकल्प है। आप एक ही ढंग से कार्य करते हुए थक गये हैं। अब आप इसे पूरी ऊर्जा एवं स्फूर्ति के साथ व नये सिरे से क्रियान्वित करने के लिये तैयार है। आप लोगों के प्रति अपने व्यवहार कुशलता को मांजने और बेहतर बनाने और उसका सदुपयोग करने की स्थिति में वापस आ चुके हैं। आप साझेदारियों व मानवीय सम्बन्धों में सफल होंगे। आप टीम के सदस्यों के रूप में अपनी चमक बिखेरेंगे। अपने वरिष्ठों एवं आश्रितों के साथ आपके सम्बन्ध महत्वपूर्ण होंगे और आप पूरे मनोयोगपूर्वक अपने कार्य को अंजाम देने के लिये आगे बढ़ेंगे। इस समय आप लॉटरी, किस्मत के खेल व दांव लगाने के हिसाब से भाग्यशाली कहे जा सकते है।

नामाक्षर : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कर्क

अनुकूल दिवस–2,3,4,7,8,9,11,12,13,17,18,19, 20,21,26, 27, 28,29,30

प्रतिकूल दिवस– 4,5,6,13,14,15,21,22,23,24

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप 25 अक्टूबर से 19 दिसम्बर तक 56 दिन की बुध की दशा भोग रहे हैं जो कि सुखकारक समय है।

इस समय सम्पर्क और अनुबन्ध पर जोर रहेगा। व्यक्तिगत तौर पर गठजोड़ व गठबन्धन हो सकते हैं। इसमें साझेदारियां, सहभागिताएं शामिल हो सकती हैं। आपके पास आपकी बेहतरी के लिये बदलाव करने, जल्दी से पैसा कमाने, व शेयर मार्केट में हाथ मारने के जर्बदस्त रोमाचंक मौके प्राप्त होंगे। आप कुशाग्र बुद्धि का प्रदर्शन करते हुए उन्नति करेंगे। आपको यह सीखने की जरूरत होगी कि दूसरों के साथ बेहतर तालमेल कैसे कायम किया जाये। यह आपके भावी कार्यों के लिये उत्प्रेरक का काम करेगी। कैरियर के मामले में गलत लक्ष्यों का पीछा करने व दूसरों पर बहुत ज्यादा निर्भर रहने से बचें। आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, माना कि कठिन परिश्रम करना आवश्यक है और इसमें कोई ढ़िलाई नहीं बरती जानी चाहिये लेकिन फिर भी मनोदशा के साथ कार्य करना ही बेहतर होगा।

नामाक्षर : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

सिंह

अनुकूल दिवस- 2,3,4,5,6,9,10,11,13,14,15,19,20,21, 22,23,24,29,30

प्रतिकूल दिवस- 7,8,9,15,16,17,24,25,26

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप २७ अक्टूबर से २४ नवम्बर तक २८ दिन की मंगल की दशा भोग रहे हैं जो कि दुःखकारक समय है।

यह समय चुनौतिपूर्ण गतिविधियों के प्रति रूझान दर्शाता है। इस समय गतिविधियों का केन्द्र स्पष्ट तौर पर मकान, घर, जमीन जायदाद, घरेलू परिदृश्य होंगे। इस समय आपकी इच्छा सम्मिलित परिवार से दूर घर बसाने की होगी। आप पर नवीनीकरण, साज-सज्जा व डिजाईनिंग करने की सनक भी छा सकती है। पारिवारिक परिदृश्य में जीवनसाथी के साथ कुछ टकराव, विवाद व झगड़े हो सकते हैं। लोगों के साथ संबंध तीन वर्ग और आपकी समझदारी एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। एक बार फिर आपका रवैया ही निर्णायक होगा कि आप किसे ज्यादा महत्व देते हैं जीवनसाथी या प्रगति या दोनों को संतुलित रखना। आपका रवैया खोजपूर्ण रहेगा तो आप उन्नति की सीढ़ियां छलांग लगाकर पार करने में सफल होंगे।

नवम्बर में ग्रहों की स्थिति एवं परिवर्तन

सूर्य

16 को वृश्चिक राशि में प्रवेश

मंगल

13 को मीन में मार्गी

बुध

तुला राशि में अस्त गतिशील
01 को तुला राशि में उदय
03 को तुला राशि में मार्गी
26 को तुला में अस्त
28 से वृश्चिक राशि में प्रवेश

गुरू

20 को मकर राशि में प्रवेश

शुक्र

17 को तुला राशि में प्रवेश

शनि

मकर राशि में गतिशील

राहु (वक्री)

वृष राशि में गतिशील

केतु (वक्री)

वृश्चिक राशि में गतिशील

नामाक्षर : टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

कन्या

अनुकूल दिवस- 44,5,6,7,8,9,11,12,13,15,16,17,21,22,23, 24, 25,26

प्रतिकूल दिवस- 1,9,10,11,17,18,19,26,27,28,29

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप 07 अक्टूबर से 26 नवम्बर तक 50 दिन की चन्द्र की दशा भोग रहे है, जो कि सुखकारक समय है। इसके पश्चात् 23 दिसम्बर तक 28 दिन की मंगल की दशा रहेगी जो कि दुःखकारक समय होगा।

इस समय आपकी योजनाऐं, परियोजनायें, विचार ठोस रूप लेना आरंभ करेंगे। यह बदलाव बेहतरी के लिए न भी हो तो भी यह संभवतः कुछ स्पष्ट परिणाम पैदा कर सकते हैं। कागजातों और दस्तावेजों के प्रति असावधान न रहें वरना बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ जायेगा। आप अपने आचरण पर ध्यान दें वरना टकराव हो सकते हैं। यह समय आपकी कुछ चिन्ताएं दूर करेगा और जीवन की गुणवत्ता बढ़ायेगा। जहां एक ओर दाम्पत्य और उत्साह की ओर रूझान बढ़ेगा वहीं फंड, उत्तराधिकार का रूझान भी इसके समानांतर चलेगा। आप शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से काम करते हुए सक्रियता से आगे बढ़ेंगे। आप कई तरीकों से खुद को फायदे की स्थिति में पायेंगे। आप आखरी बूंद तक जिंदगी का मजा लेने के मूड में होंगे।

तुला

नामाक्षर : रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

अनुकूल दिवस-1,7,8,9,10,11,13,14,15,17,18,19,24,25, 26, 27,28,29

प्रतिकूल दिवस- 2,3,4,11,12,13,19,20,21,29,30,

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 17 अक्टूबर से 06 नवम्बर तक 20 दिन की सूर्य की दशा भोग रहे हैं जो कि प्रवासकारक समय है। इसके पश्चात् 6 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक 50 दिन की चन्द्र की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय होगा।

आप एक बार फिर अपने पारिवारिक सम्मेलन घरेलू प्यार, नजदीकियों को पाने के लिए उत्साहित होंगे। आप फिर से लोगों की तरफ मुड़ेंगे। खासकर उनकी ओर जिन्हें आप अत्यधिक प्यार करते हैं। माता-पिता व बड़े बुजुर्गों का साथ आपको प्रसन्नता प्रदान करेंगे। आप अपने समय व ऊर्जा की मांग करने वाली विभिन्न फरमाइशों के बीच सामंजस्यता स्थापित करने की कोशिश करेंगे। आप अपने प्रियजनों, पत्नी, साझेदार व बच्चों को प्रसन्न व संतुष्ट करने की हर संभव कोशिश करेंगे। आपको कुशलता के साथ कूटनीति को भी अपनाते हुए समस्याओं का समाधान कर सकने का प्रयास लाभ देगा।

वृश्चिक

नामाक्षर : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

अनुकूल दिवस- 1,2,3,4,9,10,11,12,13,15,16,17,19, 20,21,26,27,28,29,30

प्रतिकूल दिवस- 4,5,6,13,14,15,21,22,23,24,

राशि अनुसार दशा- इस समय आप ०६ सितम्बर से १६ नवम्बर तक ७० दिन की शुक्र की दशा भोग रहे है जो कि सुखकारक समय हैं। इसके पश्चात् १६ नवम्बर से ०६ दिसम्बर तक २० दिन की सूर्य की दशा रहेगी जो कि प्रवासकारक समय होगा। यह समय विपक्षियों से आमना-सामना करने अपनी सहभागिताओं, संचार, संपर्क व प्रदर्शनों को सुधारने का समय है। धर्मोपदेश, शोधकार्य, आध्यात्मिकता, दीर्घकालीक व्यापक योजनाएं, रिश्तेदारों से मुलाकात करने में दिलचस्पी रखने वाले लोग संचार और यातायात के सभी माध्यमों को जीवंत बनाये रखेंगे। आप आत्माभिव्यक्ति के नये माध्यम रचनात्मकता से अधिक परिणाम प्राप्त करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। कड़ी मेहनत के मिलते-जुलते परिणाम प्राप्त होंगे जो सुनहरे भविष्य को सजाने व उम्मीदों से भरे संभावनाओं को संपन्न होने का संकेत देंगे। आप खुद को एक संतुष्ट व्यक्ति के रूप में देख सकते हैं। इस वर्ष आप चांद सितारों को छूने की कोशिश में कुछ हद तक सफल होंगे जो आपको संतुष्टि देगा। स्वास्थ्य में थोड़ी बहुत बेचैनी रहेगी।

धनु

नामाक्षर : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

अनुकूल दिवस- 2,3,4,,5,6,11,12,13,14,1517,18,19,21,22,23,24,29,30,

प्रतिकूल दिवस- 7,8,9,15,16,17,24,25,26,

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 07 अक्टूबर से 15 दिसम्बर तक 70 दिन की शुक्र की दशा को भोग रहे हैं जो कि सुखकारक समय है।

बॉस और सहकर्मियों के साथ बनी दूरियों को कम कीजिए। झगड़े, झंझटों और उपेक्षित होने के अहसास से दूर रहें व सभी संबंधों को चुस्त दुरूस्त करने की कोशिश करें ताकि आपको उनसे लाभ प्राप्त हो। यात्राओं और भ्रमण पर जोर रहेगा। आप कुशलता और समझदारी का अद्‌भुत प्रदर्शन करेंगे तो आपको सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। आपके पास पैसा, शोहरत, प्यार सबकुछ होगा। जिसमें से प्राथमिकता किसे दें यह सोचना आपके लिए असमंजसपूर्ण होगा लेकिन अंततः आप इसे संभाल लेंगे और वह भी बेहद अच्छे ढंग से। आप खुश किस्मती को जबरदस्ती खींच कर लाने को तैयार रहेंगे। आप दृढ़ता और बुद्धिमानी से आगे बढ़ेंगे व खुद की छवि और आत्मविश्वास को निखारने का प्रयास करेंगे।

मकर

नामाक्षर : भो, जा, जी, खी, खे, खो, ग, गी

अनुकूल दिवस- - 4,5,6,7,8,9,13,14,15,16,17,19,20,21,24,25, 26

प्रतिकूल दिवस- 1,9,10,11,17,18,19,26,27,28,29

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 25 सितम्बर से 06 नवम्बर तक 42 दिन की राहु की दशा को भोग रहे हैं जो कि शोककारक समय हैं। इसके पश्चात् 06 नवम्बर से 14 फरवरी तक 70 दिन की शुक्र की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय होगा।

यह समय आपके लिये व्यवसायिक तौर पर व्यस्तम समय होगा। बीच-बीच में आप अपने साझेदारों, सहभागिताओं, पारिवारिक वचनबद्धताओं व प्रियजनों के साथ अपने सम्बन्धों के बीच उचित तालमेल बैठाने की कोशिश करेंगे। आप व्यवसायिक व पारिवारिक साझेदारियों को तौलने की कोशिश करेंगे कि कौन आपको ज्यादा खुशी व सन्तुष्टि प्रदान करता है। भौतिक व अन्य तरह के लाभ यह साबित करेंगे कि आपने अपने समय का सदुपयोग किया है। कड़ी मेहनत के बावजूद आप महसूस करेंगे कि आप जितना पाने के हकदार थे, उतना आपको नहीं मिला। आप अपने कैरियर या नौकरी या फिर घर को बदलने तक की सोच सकते हैं। और कुछ नहीं तो आप का कार्यक्षेत्र, घरेलू ढांचा पूरी तरह पुर्नसंगठित, पुर्ननिर्मित हो सकता है।

कुंभ

नामाक्षर : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

अनुकूल दिवस- 1,7,8,9,10,11,15,16,17,18,19,21,22,23,24,26,27,28, 29

प्रतिकूल दिवस- 2,3,4,11,12,13,19,20,21,29,30

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 25 अक्टूबर से 06 दिसम्बर तक 42 दिन की राहु की दशा को भोग रहे हैं जो कि प्रवासकारक समय है।

इस समय घरेलू मोर्चो पर ध्यान देने के लिये चीख-पुकार मचेगी और आप प्राथमिकताओं के अनुसार इसे सुलझाने में भी सक्षम होंगे। उत्पादकता, प्रगति और प्रचुरता आपके लिये बांह फैलाये खड़ी होगी। आपके समस्त प्रयास कार्य और प्रयत्नों के नतीजे, आपको सफलता, प्रसन्नता व उपलब्धियों के रूप में लाभ देने लगेंगे। इस समय आप जितने भी सौदे करेंगे, उनके बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे। परिवार, पैसा, पारिवारिक धन, परिसम्पत्तियां आपके लिये महत्वपूर्ण होंगे। अतः आप काम व व्यक्तिगत आकांक्षाओं, कैरियर व घर, परिवार, घरेलू जिम्मेदारियों के बीच संतुलन कायम करने के प्रयास करेंगे और इसमें आपको कुछ हद तक सफलता भी मिलेगी। परिवार के खर्चे व फरमाईशे बढ़ जायेंगी और आप इसे पूरा करने में पूर्णतः सक्षम नहीं होंगे। शान्ति, उत्साह व धनलाभ, समृद्धि, प्रगति सबका अलग-अलग स्थान है।

नामाक्षर : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

मीन

अनुकूल दिवस- 2,3,4,9,10,11,12,13,17,18,19,20,21, 24,25,26,29,30

प्रतिकूल दिवस- 4,5,6,13,14,15,21,22,23,24

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 27 सितम्बर से 24 नवम्बर तक 58 दिन की गुरु की दशा को भोग रहे हैं जो कि सुखकारक समय है। इसके पश्चात् 4 जनवरी तक 42 दिन की राहु की दशा रहेगी जो कि प्रवासकारक समय होगा।

इस समय सभी तरह के वित्त जिसमें कि कर्ज भी शामिल है, सार्वजनिक धन, संयुक्त बैंक खाते, शेयर व स्टॉक, ऋण पत्र एवं कर निर्धारण में आप व्यस्त होंगे। ऑपरेशन, बीमारी, अस्पताल भर्ती होने और दुर्घटना होने की आशंका है। आप लापरवाही ना बरतें, बल्कि सकारात्मक रूप से अपनायें। गुप्त खाते, तोहफे, चोरी-चुपके व नजरे बचाकर होने वाले लेन-देन के आसार हैं। रहस्यों, सौदों व सरोकारों को जाहिर ना करना ही आपके लिये बुद्धिमानी का काम होगा। आपकी रचनात्मकता को उबारने के लिये जर्बदस्त उत्तेजना की आवश्यकता है और यह आपको पारिवारिक सामाजिक व मित्र मण्डली के साथ मौज-शौक में बिताये हुए पलों के बाद ही प्राप्त होगी। यह समय जनसम्पर्क के अपने कौशलों को प्रदर्शित करने, मेलजोल बढ़ाने व सभी स्तरों पर अच्छे भाव पैदा करने का है।

शुभ एवं अशुभ समय का ज्ञान

राहु काल/यमगंड काल में शुभ कार्य करना, यात्रा करना, सौदा करना, किसी भी अच्छे कार्य के लिए इस समय को टालना ही हित में हैं। जबकि गुलिक काल में शुभ कार्य करना श्रेष्ठ रहता है।

	गुलिक काल (शुभ)		यमगंड काल (अशुभ)		राहुकाल (अशुभ)	
वार	प्रारम्भ	समाप्त	प्रारम्भ	समाप्त	प्रारम्भ	समाप्त
सोम	01-30 से 03-00		10-30 से 12-00		07-30 से 09-00	
मंगल	12-00 से 01-30		09-00 से 10-30		03-00 से 04-30	
बुध	10-30 से 12-00		07-30 से 09-00		12-00 से 01-30	
गुरु	09-00 से 10-30		06-00 से 07-30		01-30 से 03-00	
शुक्र	07-30 से 09-00		03-00 से 04-30		10-30 से 12-00	
शनि	06-00 से 07-30		01-00 से 03-00		09-00 से 10-30	
रवि	03-00 से 04-30		12-00 से 01-30		04-30 से 06-00	

नियम

पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाओं का सर्वाधिकार ''विश्व तंत्र-ज्योतिष'' का है। ''विश्व तंत्र ज्योतिष'' में प्रकाशित लेख, चित्र एवं टिप्पणियों से संपादक अथवा संपादक मण्डल का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। प्रकाशित सामग्री पर प्रकाशक का अधिकार है अतः बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की सामग्री अथवा अंश का प्रकाशन गैरकानूनी है। पत्रिका में प्रकाशित किसी भी लेख के बारे में वाद-विवाद या कोई तर्क मान्य नहीं होगा और न ही उसके लिए लेखक, प्रकाशक अथवा संपादक जिम्मेदार होगा। सभी प्रकार के वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र जोधपुर ही मान्य होगा।

पत्रिका में प्रकाशित सभी साधना प्रयोगों के मार्गदर्शन में प्रमाणिकता का प्रयास सर्वोपरि रहता है, फिर भी जिज्ञासु पाठक एवं साधक अपने गुरू या योग्य मार्गदर्शक की देख-रेख में ही साधना प्रयोग सम्पन्न करें। कोई भी व्यक्ति ऐसे साधना प्रयोग न करें जो नैतिक, सामाजिक एवं कानूनी नियमों के विरूद्ध हों। पत्रिका में प्रकाशित साधनाओं एवं प्रयोगो को आप अपनी जिम्मेदारी पर करें। इन प्रयोगों से किसी प्रकार का लाभ अथवा हानि के लिये पत्रिका जिम्मेदार नहीं होगी। इस संबंध में किसी भी प्रकार की आलोचना या आपत्ति स्वीकार्य नहीं है। पत्रिका, संपादक मण्डल, प्रकाशक इस सम्बन्ध में किसी प्रकार की जिम्मेदारी का वहन नहीं करेंगे।

किसी भी लेख से संबंधित प्रमाण/उद्दरण यथासंभव पुराणों से, ग्रंथों से, विभिन्न लेखकों की पुस्तकों से लिये जाते हैं। यह संभव नहीं है कि उन ग्रंथों में भी वह प्रमाण अकाट्य हो। आप अपनी समझ से, बुद्धि से उन प्रमाणों को अपनी कसौटी पर परखने के बाद स्वीकार करें। यदि कोई बात अथवा लेख आपकी कसौटी पर खरा नहीं उतरता है तो कृपया उसे आप कपोल-कल्पित माने या न माने, यह आपकी स्वतंत्रता है।

पत्रिका में प्रकाशित प्रयोगों की सामग्री, विभिन्न यंत्र आदि या अन्य कोई भी सामग्री आप अपनी इच्छा से कहीं से भी प्राप्त कर सकते हैं। पत्रिका किसी भी सामग्री को उपलब्ध करवाने के लिये जिम्मेदार नहीं है। हम मात्र प्रयास भर कर सकते हैं। पत्रिका अपनी उपहार योजनाओं को कभी भी परिवर्तित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। पत्रिका कार्यालय से सामग्री मंगवाने पर हम अपनी तरफ से प्रामाणिक और सही सामग्री अथवा यंत्र भेजते हैं, पर फिर भी उसके बाद में असली या नकली के बारे में अथवा प्रभाव होने या न होने के बारे में हमारी जिम्मेवारी नहीं होगी। पाठक अपने विश्वास पर ही ऐसी सामग्री पत्रिका कार्यालय से मंगवायें। (प्रकाशक)

गृह–क्लेश निवारण कवच

प्रायः हर व्यक्ति आज तनावग्रस्त हैं, संयुक्त परिवार में जहाँ सास-बहू , ननद-भाभी के झगड़ो को गृह-क्लेश का कारण बनाकर लोगो ने आये दि पति-पत्नी मे अनबन, तो बच्चों मे तकरार, गृह-क्लेश तो पीछा ही नहीं छोड़ रहा, यदि आप की तमन्ना है,कि घर मे खुशियॉ हो अपार, सुख-शांति का हो वास तो क्यों है उदास हैं आपके पास..............

न्यौछावर राशि 2100/- रू.

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें–

त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र

'त्रिनेत्र भवन' प्लोट नम्बर–1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज के मैन गेट के पास, जोधपुर (राज.)

फोनः 0291–2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्सः 0291–2618625

E-mail: tantravtj@yahoo.com Visit us: fameandfortune.org